एच.एस.एम.आई. की पृष्ठभूमि

हमारे शहरों तथा शहरीकरण के लिए चुनौती बन चुके ग्लोबल एवं स्थानीय विषयों में हाउसिंग एंड अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र व्यापक क्षेत्र हैं सतत् वृद्धि कार्यनीति के लिए अपेक्षित कार्यनीतिक इन्टेलिजेंस में शहरी नवीकरण, समेकन, लचीलापन, पर्यावरण एवं संसाधन, इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सेवाएँ सामाजिक तथा आर्थिक इक्विटी, डिप्लोमेसी तथा न्याय शामिल हैं। जानकारी प्लेटफार्म को मजबूत करने एवं रैपिड शहरीकरण जोकि गंदा और खतरनाक हो चुका है, उसको व्यवस्थित करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास तथा नीति बनाने, प्लानिंग उपायों का प्रस्ताव रखा जाता है । सम्पूर्ण विश्व के शहर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय परिवर्तनों का सामना करते हैं एवं जलवायु परिवर्तन तथा अनौपचारिक बढ़ोत्तरी जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए सिटी प्रैक्टिशनरों तथा शहरी मैनेजरों के तैयार करने तथा शिक्षा, नेटवर्क के लिए गंभीर है। विश्व में विकास की संभावना खत्म नहीं हुई है,सामाजिक एवं आर्थिक वृद्धि के इंजन के रूप में शहरों की उपयोगिता एवं अवसरों के लिए सतत एवं स्मार्ट समाधानों की जरूरत है । परियोजना का क्रियान्वयन करने उनको नमूनेबद्ध करने तथा आर्थिक एवं प्रभावी रूप से संसाधनों को योजना बनाने, उनको आगे बढाने एवं उनको उपयोग में लाने के लिए राज्य आवास बोर्डो, शहरी विकास प्राधिकरणों तथा स्थानीय निकायों जैसी अपनी क्रियान्वयन एवं उधार लेने वाली एजेंसिंयों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने की जरूरत को हडको पूर्ण करता है । हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंटक्षेत्र अर्न्तराष्ट्रीय भागीदारों एवं हडको के अपने कार्यो से जुडे व्यावसायिकों के लाभ हेतु ह्यूमन सेटलमेंट मैनेजमेंट में क्षमता निमार्ण को बढाने के लिए स्थापित, राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के रूप मे हाऊसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट स्टडीज(आई.एच.एस.), संस्थान रोटरडम, नीदरलैंड के मार्गदर्शन में 1985 में इन्डों-डच सहयोग से इस कॉर्पोरेशन को निधिबद्ध किया गया ।

इंडियन ह्यूमन सैटलमेंट कार्यक्रम (आइएचएसपी) की स्थापना हडको एवं इंस्टिट्यूट फॉर हाऊसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट स्टडीज, रोटरडम के बीच संयुक्त सहयोग के माध्यम से अप्रैल 1985 में की गई । इस कार्यक्रम का उददेश्य आश्रय की प्लानिंग, क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग, पर्यावरणीय सुधार एवं समुदाय विकास से जुडे मध्य कैरियर एवं मध्यम प्रबंधन स्तर के व्यावसायिको के लिए प्रशिक्षण कोर्स का व्यवस्थित विकास करना है। आइएचएसपी के दीर्घ अवधि उददेश्य हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट तथा आवास, पर्यावरण तथा सामाजिक विकास के सामान्य मुददों से निपटने से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजित करने के लिए सक्षम स्वंय विश्वाय प्रशिक्षण संस्थान में विकास हेतु एचएसएमआई को सहयोग देना है ।

इस कार्यक्रम के माध्यम से, एच.एस.एम.आई ने योग्यता प्राप्त एवं प्रेरित फैकल्टी के साथ प्रशिक्षण संस्थान के रूप में देश में उत्तम ख्याति प्राप्त की है ।

इंडियन ह्यूमन सेटलमेट कार्यक्रम (आइएचएसपी)-I एवं II 1985-86

- प्रायोजित अनुसंधान
- प्रशिक्षण दस्तावेजीकरण एवं प्रशिक्षण मोड्यूल
- इस क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान
- नीति दस्तावेजों के लिए इनपुट
- एक्सचेंज विजिट के माध्यम से फैकल्टी विकास

शहरी विकास कार्यक्रम हेतु विकेन्द्रीकृत प्रशिक्षण(डीटीयूपी)1996-2000

- उपरोक्त गतिविधियॉ
- ट्रैनर्स को प्रशिक्षण
- विकेन्द्रिकृत लोकेशनों पर प्रशिक्षण

आई.एच.एस. (इन्स्टीच्यूट सहयोग के लिए इस्टीच्यूट) के साथ एमओयू-2006-2011 एवं 2011-2016

- उपरोक्त गतिविधियॉ
- रिफ्रेशर कोर्स-पुनर्वास हेतु अधिकारों पर आधारित पंहुच : (अन्तः) राष्ट्रीय एवं स्थानीय प्रैक्टिस

<u>संगठनात्मक ढ़ांचा</u>

इस संस्थान में इंजीनियरिंग, आर्क्रिटेक्चर, टांऊन एंड शहरी /क्षेत्रीय प्लानिंग, रिमोट संसिंग इकोनोमिक्स एवं समाज विकास क्षेत्रों के व्यावसायिकों की एक टीम है । साथ ही, हडको के कॉर्पोरेट एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के व्यावसायिकों, जो हाऊसिंग एंड अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के वित्तपोषण एवं मूल्यांकन प्रचालनो की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं वह प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सहयोग करने के लिए व्यावसायिक इनपुट प्रदान करते हैं ।

एच.एस.एम.आई की फैकल्टी में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंटक्षेत्र हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फोरम मे भागीदारी, डायलॉग विचार-विमर्श तथा नीति तैयार करने के साथ-साथ विविध एवं अध्यात्मिक अनुभवी हैं । इसके अलावा, इस क्षेत्र में भारत सरकार के अधिकारीगण, विख्यात अकादमीगण तथा व्यावसायिक नियमित रूप से संसाधन इनपुट प्रदान करते हैं तथा उनको शहरी प्रंबधन एवं सतत् विकास में वर्तमान प्रैक्टिस पर इनपुट देने के लिए आंमत्रित भी किया जाता है ।

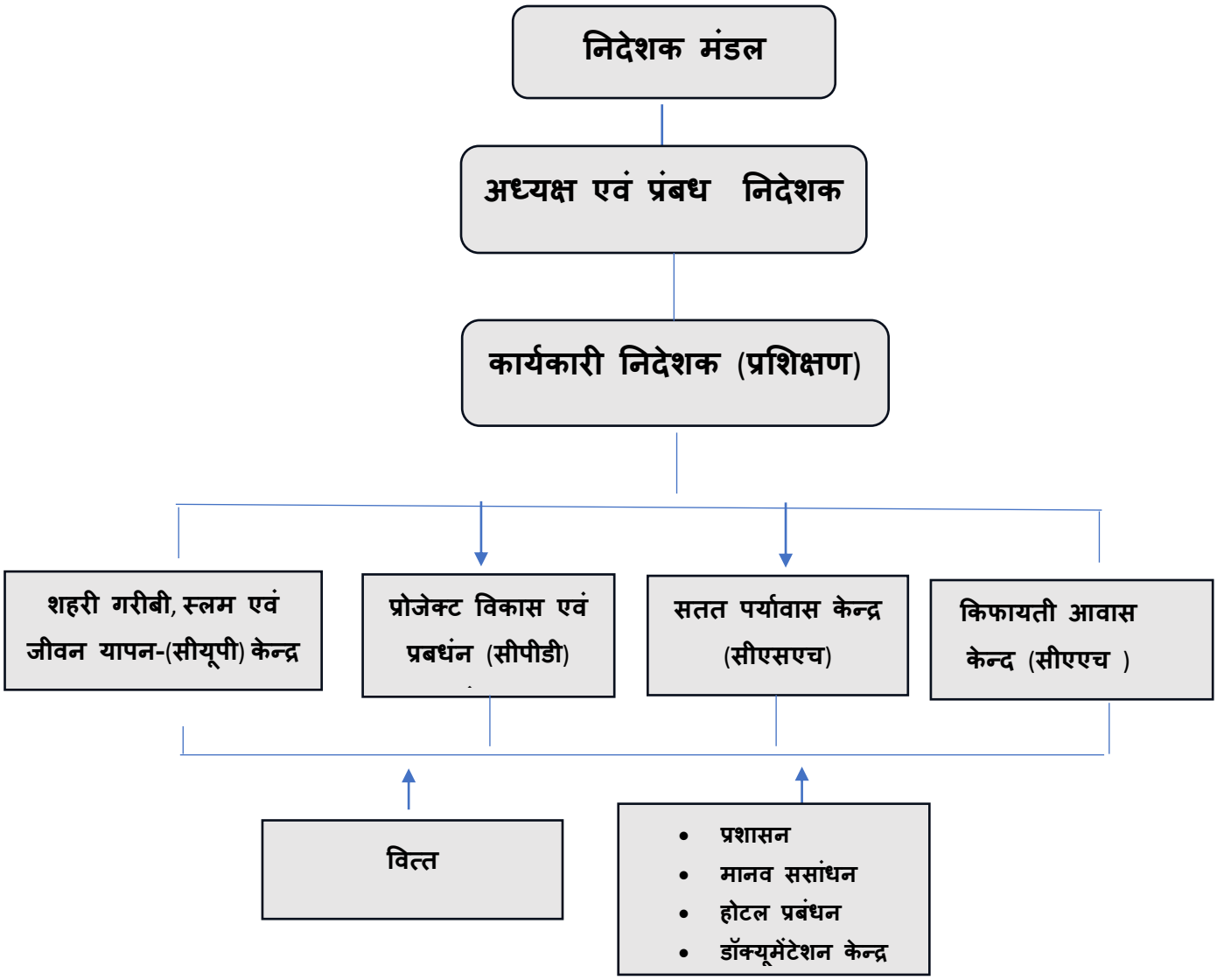
निदेशक मंडल
अध्यक्ष एवं प्रंबध निदेशक
कार्यकारी निदेशक (प्रशिक्षण)
शहरी गरीबी, स्लम एवं जीवन यापन-(सीयूपी) केन्द्र
प्रोजेक्ट विकास एवं प्रबधंन (सीपीडी)
सतत पर्यावास केन्द्र (सीएसएच)
किफायती आवास केन्द (सीएएच)
वित्त
प्रशासन
मानव ससांधन
होटल प्रबंधन
डॉक्यूमेंटेशन केन्द्र